उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
शास्त्री प्रथम सत्र
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम
(सत्र 2026–27 से प्रभावी)
मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम
विषय – अर्थशास्त्र, कोड GE–01

प्रश्न पत्र – व्यष्टि अर्थशास्त्र

क्रेडिट: 04

पूर्णांक:100
सैद्धांतिक: 75
आंतरिक मूल्यांकन: 25

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:
पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी–

1. अर्थशास्त्र की मूल अवधारणाओं तथा व्यष्टि एवं समष्टि अर्थशास्त्र के अन्तर को समझ सकेंगे।
2. मांग, मांग की लोच तथा उपभोक्ता व्यवहार के सिद्धान्तों का विश्लेषण कर सकेंगे।
3. उत्पादन, उत्पादन फलन तथा लागत सम्बन्धी सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे।
4. विभिन्न बाजार संरचनाओं, विशेषकर पूर्ण प्रतियोगिता एवं एकाधिकार में मूल्य एवं उत्पादन निर्धारण को समझ सकेंगे।
5. आर्थिक समस्याओं के समाधान हेतु सैद्धान्तिक ज्ञान का व्यावहारिक उपयोग करने में सक्षम होंगे।

इकाई	पाठ्य विषय/ विवरण
1.	अर्थशास्त्र का परिचय, अर्थशास्त्र की परिभाषा एवं क्षेत्र, व्यष्टि एवं समष्टि अर्थशास्त्र में अन्तर, अर्थशास्त्र के अध्ययन की विधियाँ, निगमन विधि, आगमन विधि
2.	उपभोक्ता व्यवहार एवं मांग सिद्धान्त, मांग का नियम, मांग की लोच, उपभोक्ता की बचत, उपभोक्ता का व्यवहार, उदासीनता वक्र विश्लेषण
3.	उत्पादन सिद्धान्त, आर्थिक एवं अनार्थिक मितव्ययिताएँ, उत्पादन फलन, परिवर्तनशील अनुपातों का नियम, पैमाने का प्रतिफल, समोत्पाद (Isoquant) वक्र विश्लेषण
4.	लागत एवं बाजार सिद्धान्त, बाजार मूल्य एवं सामान्य मूल्य, अवसर लागत, लागत वक्र, आगम वक्रों का विश्लेषण, पूर्ण प्रतियोगिता में फर्म एवं उद्योग का, अल्पकालीन तथा दीर्घकालीन संतुलन, एकाधिकार के अन्तर्गत फर्म का संतुलन
5.	वितरण सिद्धान्त, सीमांत उत्पादकता सिद्धान्त, रिकार्डो का लगान सिद्धान्त, लगान का आधुनिक सिद्धान्त, मजदूरी का आधुनिक सिद्धान्त, ब्याज का प्रतीक्षा एवं तरलता पसन्दगी सिद्धान्त,लाभ का सिद्धान्त

संदर्भ सूची

- डॉ. जे.सी पन्त, सूक्ष्म अर्थशास्त्र, साहित्य भवन पब्लिकेशन आगरा।
- वी. सी. सिंहा, व्यष्टि अर्थशास्त्र,एसबीपीडी पब्लिकेशन आगरा
- एम एल झींगन, व्यष्टि अर्थशास्त्र, वृंदा पब्लिकेशन आगरा

24/08/26 24/08/26 24/08/26

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
शास्त्री द्वितीय सत्र
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम
(सत्र 2026–27 से प्रभावी)
मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम
विषय – अर्थशास्त्र, कोड GE–02

प्रश्न पत्र– मुद्रा, बैंकिंग ,वं अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

क्रेडिट: 04

पूर्णांक:100
सैद्धांतिक: 75
आंतरिक मूल्यांकन: 25

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:
पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी :
1. मुद्रा की प्रकृति, कार्यों एवं आर्थिक विकास में उसकी भूमिका को समझ सकेंगे।
2. मुद्रा की मांग एवं पूर्ति तथा मुद्रास्फीति एवं अवस्फीति की अवधारणाओं का विश्लेषण कर सकेंगे।
3. वाणिज्यिक एवं केंद्रीय बैंकिंग प्रणाली तथा भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यों को समझ सकेंगे।
4. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धांतों एवं महत्व का मूल्यांकन कर सकेंगे।
5. भुगतान संतुलन, विनिमय दर तथा मुक्त व्यापार एवं संरक्षण नीति की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई	पाठ्य विषय / विवरण
1.	मुद्रा का परिचयः मुद्रा का अर्थ, प्रकृति एवं परिभाषाएँ, मुद्रा के कार्य एवं महत्व, मुद्रा का वर्गीकरण, पूँजीवादी, समाजवादी एवं मिश्रित अर्थव्यवस्था में मुद्रा की भूमिका
2.	मुद्रा की मांग, पूर्ति एवं मूल्यः मुद्रा की मांग एवं पूर्ति, फिशर का मुद्रा परिमाण सिद्धांत, मुद्रास्फीतिरू अर्थ, प्रकार, कारण एवं प्रभाव, अवस्फीति रू अर्थ, कारण एवं प्रभाव
3.	बैंकिंग व्यवस्था, वाणिज्यिक बैंकः अर्थ, कार्य एवं प्रकार, केंद्रीय बैंकरू अर्थ एवं कार्य, साख नियंत्रण की विधियाँ, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की भूमिका एवं कार्य
4.	अंतर्राष्ट्रीय व्यापारः अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का अर्थ, क्षेत्र एवं महत्व, अंतर–क्षेत्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धांत, एडम स्मिथ का निरपेक्ष लाभ सिद्धांत
5.	भुगतान संतुलन : भुगतान संतुलन (Balance of Payments) का अर्थ, व्यापार संतुलन एवं भुगतान संतुलन में अंतर, भुगतान संतुलन असंतुलन के कारण एवं सुधार के उपाय,, मुक्त व्यापार बनाम संरक्षण

संदर्भ पुस्तकें

1– एच. एल. आहूजा – मुद्रा, बैंकिंग एवं वित्तीय प्रणाली – एस, चांद प्रकाशन, नई दिल्ली।
2– डी. एम. मिथानी – मुद्रा, बैंकिंग एवं वित्तीय प्रणाली – हिमालय पब्लिशिंग हाउस, मुंबई।
3– एम. एल. झिंगन – मौद्रिक अर्थशास्त्र – वृंदा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
4– आर. आर. पॉल – मौद्रिक अर्थशास्त्र – कल्याणी पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
5– बी. एन. पुरी – मौद्रिक अर्थशास्त्र – लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा।
6– एस. बी. गुप्ता – मौद्रिक अर्थशास्त्र – एस. चांद एंड कंपनी, नई दिल्ली।
7– एच. एल. भाटिया – अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र – विकास पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

24/08/26
24/08/26
24/08/26

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

शास्त्री द्वितीय सत्र

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम

(सत्र 2026–27 से प्रभावी)

मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम

विषय – अर्थशास्त्र, कोड GE–03

प्रश्न पत्र– लोक वित्त

क्रेडिट: 04

पूर्णांक:100

सैद्धांतिक: 75

आंतरिक मूल्यांकन: 25

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:

पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी :

1. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को लोक वित्त की अवधारणा को समझ सकेंगें
2. सार्वजनिक व्यय के सन्दर्भ में समझ सकेंगें।
3. सार्वजनिक आय, सार्वजनिक ऋण तथा राजकोषीय नीति के सिद्धांतों एवं व्यवहारिक पक्षों से परिचित हो सकेंगें।
4. सरकार की वित्तीय गतिविधियों तथा आर्थिक विकास में उनकी भूमिका को समझ सकेंगें।

इकाई	पाठ्य विषय / विवरण
1.	लोक वित्त : लोक वित्त का अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र एवं महत्व , लोक वित्त और निजी वित्त में अंतर, अधिकतम सामाजिक लाभ का सिद्धांत
2.	सार्वजनिक व्यय : सार्वजनिक व्यय का अर्थ, क्षेत्र एवं महत्व , सार्वजनिक व्यय के सिद्धांत (Canons of Public Expenditure), सार्वजनिक व्यय का वर्गीकरण, सार्वजनिक व्यय के प्रभाव, सार्वजनिक व्यय में वृद्धि के कारण
3.	सार्वजनिक आय एवं कराधानः सार्वजनिक आय का अर्थ एवं स्रोत, कराधान का अर्थ एवं प्रभाव, करों की विशेषताएँ एवं उद्देश्य, कराधान के सिद्धांत , प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर
4.	सार्वजनिक ऋण : सार्वजनिक ऋण का अर्थ, उद्देश्य एवं स्रोत, सार्वजनिक ऋण के प्रभाव एवं भार, सार्वजनिक ऋण के प्रकार, सार्वजनिक ऋण मोचन की विधियाँ,
5.	घाटा वित्तपोषण एवं राजकोषीय नीति : घाटा वित्तपोषण का अर्थ एवं महत्व, घाटा वित्तपोषण के लाभ एवं सीमाएँ, विकासशील अर्थव्यवस्था में राजकोषीय नीति के उद्देश्य, आर्थिक विकास में राजकोषीय नीति की भूमिका,

संदर्भ सूची

1. ए के सिंह, लोकवित, साहित्य भवन आगरा
2. डॉ वीसी सिंहा, एसबीपीडी पब्लिकेशन आगरा
3. एच एल भाटिया, पब्लिक फाइनेंस, विकास पब्लिकेशन हाउस नई दिल्ली

Awasthi 24/08/26

24/08/26

24/08/26

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
शास्त्री द्वितीय सत्र
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम
(सत्र 2026–27 से प्रभावी)
मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम
विषय – अर्थशास्त्र, कोड GE–04

प्रश्न पत्र– कृषि अर्थशास्त्र

क्रेडिट: 04

पूर्णांक:100
सैद्धांतिक: 75
आंतरिक मूल्यांकन: 25

पाठ्यक्रम अधिगम परिणामः
पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी :

1. कृषि अर्थशास्त्र की आधारभूत अवधारणाओं को समझ सकेंगे।
2. कृषि उत्पादकता, कृषि विपणन, अवधारणाओं को समझ सकेंगे।
3. कृषि विकास एवं कृषि वित्त की समग्र समझ प्राप्त कर सकेंगे।
4. भारतीय कृषि क्षेत्र की समस्याओं एवं संभावनाओं का विश्लेषण कर सकेंगे।

इकाई	पाठ्य विषय / विवरण
1.	कृषि अर्थशास्त्र का परिचय, कृषि अर्थशास्त्र का अर्थ एवं परिभाषा, कृषि अर्थशास्त्र का क्षेत्र , कृषि अर्थशास्त्र का महत्व, भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का स्थान
2.	कृषि उत्पादकताः कृषि उत्पादकता का अर्थ, भारत में निम्न कृषि उत्पादकता के कारण, कृषि उत्पादकता बढ़ाने के उपाय, कृषि उत्पादकता वृद्धि हेतु सरकारी योजनाएँ एवं कार्यक्रम
3.	कृषि विपणनः कृषि विपणन का अर्थ एवं महत्व, कृषि विपणन की समस्याएँ एवं दोष, स्वतंत्रता के पश्चात कृषि विपणन में सुधार, कृषि विपणन के विकास हेतु सरकारी उपाय
4.	हरित क्रान्ति एवं कृषि विकासः हरित क्रान्ति का अर्थ एवं विशेषताएँ, हरित क्रान्ति की सफलता एवं सीमाएँ, कृषि मूल्य आयोग (CACP) का परिचय एवं कार्य, श्वेत क्रान्ति एवं नीली क्रान्ति
5.	कृषि वित्तः कृषि वित्त का अर्थ एवं आवश्यकता, कृषि वित्त के स्रोत, भारतीय कृषि वित्त की समस्याएँ, कृषि वित्त के क्षेत्र में सरकार द्वारा किये गये प्रयास, नाबार्ड (NABARD) की भूमिका एवं कार्य

संदर्भ सूची

1. एम.सी. गुप्ता –कृषि अर्थशास्त्र, एस.बी.पी.डी. पब्लिकेशन, आगरा।
2. डॉ. बी.एल. माथुर – कृषि अर्थशास्त्र, अर्जुन पब्लिकेशन, दिल्ली।
3. हरसरन दास – कृषि अर्थशास्त्र, रामा पब्लिकेशन, मेरठ।
4. प्रो. रेखा डी. बसाया – कृषि अर्थशास्त्र, जे.डी.एस. पब्लिकेशन, दिल्ली।
5. सदानन्द सिंह – भारतीय कृषि अर्थशास्त्र।
6. दत्त एवं सुंदरम – भारतीय अर्थव्यवस्था।

24/08/26
24/08/26
24/08/26

उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार

शास्त्री पंचम सेमेस्टर
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम/
(सत्र 2026–27 से प्रभावी)
मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम
विषय : अर्थशास्त्र, GE-05
प्रश्न पत्र : भारतीय अर्थव्यवस्था

क्रेडिट-04

पूर्णांक:100
सैद्धांतिक: 75
आंतरिक मूल्यांकन: 25

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम
पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी

1. भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रकृति, संरचना तथा प्रमुख विशेषताओं को समझ सकेंगे।
2. भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि, उद्योग एवं सेवा क्षेत्रों की भूमिका तथा समस्याओं का विश्लेषण कर सकेंगे।
3. जनसंख्या, प्राकृतिक संसाधनों एवं आधारभूत संरचना के आर्थिक विकास में योगदान को समझ सकेंगे।
4. बेरोजगारी, गरीबी तथा ग्रामीण विकास कार्यक्रमों का मूल्यांकन कर सकेंगे।
5. भारत की आर्थिक नीतियों, सुधारों एवं समकालीन विकास कार्यक्रमों का आलोचनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।

इकाई	पाठ्य विषय/ विवरण
1.	भारतीय अर्थव्यवस्था का परिचयः भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रकृति, संरचना एवं विशेषताएँ, प्राकृतिक संसाधन: भूमि, जल, वन एवं खनिज, आधारभूत संरचना (Infrastructure) का महत्व, भारत में आधारभूत संरचना का विकास
2.	भारतीय अर्थव्यवस्था का जनांकिकीय स्वरूपः भारतीय जनसंख्या की संरचना एवं विशेषताएँ, नवीनतम जनगणना के आधार पर जनसंख्या का अध्ययन, जनसंख्या संबंधी समस्याएँ, भारत की जनसंख्या नीति
3.	भारतीय कृषिः भारतीय कृषि की प्रकृति एवं महत्व, कृषि जोत एवं भूमि सुधार, हरित क्रांति, कृषि एवं ग्रामीण श्रम, कृषि वित्त एवं कृषि विपणन, भारत की कृषि नीति
4.	भारतीय उद्योगः भारत में उद्योगों की वृद्धि एवं समस्याएँ, भारी, मध्यम, लघु एवं कुटीर उद्योग, उदारीकरण एवं वैश्वीकरण के बाद औद्योगिक विकास, औद्योगिक वित्त, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया एवं डिजिटल इंडिया कार्यक्रम एवं नवीन औद्योगिक नीति
5.	बेरोजगारीः भारत में बेरोजगारी का स्वरूप एवं मापन, बेरोजगारी के प्रकार, कारण एवं निवारण, गरीबी की अवधारणा, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा), दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन

संदर्भ पुस्तकें

1. अग्रवाल, ए.एन. – भारतीय अर्थव्यवस्था
2. मिश्रा एवं पुरी – भारतीय अर्थव्यवस्था
3. रुद्रदत्त एवं सुंदरम – भारतीय अर्थव्यवस्था
4. बिमल जालान – भारतीय अर्थव्यवस्था की समस्याएँ

24/08/26

24/08/26

24/08/26

उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार

शास्त्री षष्टम सेमेस्टर
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम
(सत्र 2026–27 से प्रभावी)
मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम
विषय : अर्थशास्त्र, कोड: GE-06
प्रश्न पत्र : उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था

क्रेडिट-04

पूर्णांक:100
सैद्धांतिक: 75
आंतरिक मूल्यांकन: 25

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:

पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी

1. उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था, उसकी विशेषताओं तथा जनसांख्यिकीय प्रोफाइल का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
2. उत्तराखण्ड के कृषि क्षेत्र, कृषि–सहायक गतिविधियों तथा उनकी समस्याओं को समझ सकेंगे।
3. राज्य के औद्योगिक विकास, एमएसएमई तथा कुटीर एवं ग्रामोद्योगों की भूमिका का विश्लेषण कर सकेंगे।
4. पर्यटन, प्रवासन तथा महिला सशक्तिकरण के आर्थिक महत्व को समझ सकेंगे।
5. बेरोजगारी, गरीबी एवं विभिन्न सरकारी रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों का मूल्यांकन कर सकेंगे।

इकाई	पाठ्य विषय / विवरण
1.	उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था का परिचय, उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था : परिचय एवं विशेषताएँ, उत्तराखण्ड का जनसांख्यिकीय प्रोफाइल, उत्तराखण्ड में प्राकृतिक संसाधन, राज्य की आर्थिक संरचना एवं विकास की प्रवृत्तियाँ
2.	उत्तराखण्ड की कृषि अर्थव्यवस्था, उत्तराखण्ड का कृषि प्रोफाइल, कृषि एवं कृषि–संबद्ध क्षेत्र, पशुपालन एवं डेयरी विकास, कृषि क्षेत्र की प्रमुख समस्याएँ एवं चुनौतियाँ
3.	उत्तराखण्ड का औद्योगिक विकास, उत्तराखण्ड का औद्योगिक प्रोफाइल, भारी उद्योग एवं एमएसएमई क्षेत्र, नई औद्योगिक नीतियाँ, ग्राम एवं कुटीर उद्योगों की समस्याएँ
4.	पर्यटन, प्रवासन एवं महिला अर्थव्यवस्था, उत्तराखण्ड में पर्यटन क्षेत्र का विकास, पर्यटन का आर्थिक महत्व, प्रवासन एवं प्रतिप्रवासन (Reverse Migration) की समस्याएँ, उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भूमिका
5.	गरीबी, बेरोजगारी एवं सरकारी योजनाएँ, उत्तराखण्ड में बेरोजगारी एवं गरीबी की स्थिति, गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार (सौर) योजना, वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM), राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (NULM)

संदर्भ पुस्तकें

- पी. सी. पाण्डेय, डी. सी. पाण्डेय एवं पी. एस. बिष्ट : उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था।
- रमेश चन्द्र पाण्डेय : उत्तराखण्ड का आर्थिक विकास।
- एस. एस. रावत एवं अन्य : उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था एवं विकास।
- डी. आर. गाडगिल : भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था।
- एच. एल. आहूजा : विकास का अर्थशास्त्र।
- एम. एल. झिंगन : आर्थिक विकास एवं नियोजन।
- मिश्र एवं पुरी : भारतीय अर्थव्यवस्था।
- दत्त एवं सुंदरम : भारतीय अर्थव्यवस्था।
- उमा कपूर : भारतीय अर्थव्यवस्था एवं आर्थिक विकास।
- वी. के. आर. वी. राव : भारत में आर्थिक विकास एवं नियोजन।

24/08/26

24/08/26

24/08/26